

न्यायालय सहायक कलेक्टर एवं उप खण्ड अधिकारी, पाली
पीठासीन अधिकारी:- श्री रोहिताश्व सिंह तोमर (आई.ए.एस.)

राजस्व वाद प्रकरण संख्या 71/2007

प्रार्थी

1. तहसीलदार (भूमिधारक) पाली

बनाम अप्रार्थी:-

1. श्री खंगारराम पुत्र श्री पोकरराम जाति मेघवाल निवासी सेसली हाल पाली
2. श्रीमति दरियाव कंवर पत्नि श्री बद्रीलाल जाति सरगरा निवासी पैकेज कालानी पाली।
3. श्री प्रकाश पुत्र मांगीलाल जाति हरिजन निवासी 139 बापु नगर विस्तार पाली
4. श्री अशोक कुमार पुत्र हस्तीमल, जाति जैन निवासी पाली
5. श्रीमती सन्तोषलता पत्नि श्री नरेन्द्र कुमार जाति जैन, निवासी पाली
6. श्री तखत सिंह पुत्र श्री बद्री सिंह जाति राजपुत निवासी पाली
7. श्री सम्पतराज पुत्र श्री सूरतराज जाति जैन निवासी जोधपुर
8. श्री महावीरचन्द्र पुत्र श्री सुमेरमल, जाति जैन निवासी जोधपुर
9. मृतक राजेन्द्र पुत्र श्री नाथिया के कायम मुकान
9/1 श्री भीमाराम पुत्र श्री राजेन्द्र साँसी निवासी नयागांव पाली
9/2 ज्ञानूडी पुत्री राजेन्द्र पत्नि श्री मोहन निवासी भदवासिया फाटक के पास जोधपुर
9/3 पुष्पा पुत्री राजेन्द्र पत्नि हरिराम साकिन जाजीवाल जिला जोधपुर

उपस्थिति:-

1. श्री ओमप्रकाश दाधिच, नायब तहसीलदार (सरकारी पैरोकार)

वाद अंतर्गत धारा 177 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम, 1955

--आदेश:-

दिनांक 31.10.2019

प्रार्थी ने अप्रार्थीगण के विरुद्ध यह प्रार्थना-पत्र अंतर्गत धारा 177 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम, 1955 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि सरहद पाली चक II खसरा नंबर 547/1749 रकबा 1.05 बीघा किस्म बारानी प्रथम भूमि अप्रार्थी संख्या एक लगाय



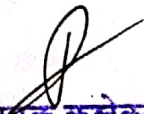
सहायक कलेक्टर
पाली

नौ की संयुक्त भूमि है। अप्रार्थीगण ने एक राय होकर उक्त कृषि भूमि पर बिना सक्षम अधिकारी की आज्ञा एवं भूमि का अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन करवाये आवासीय कालोनी का प्लान बनाकर विभिन्न लोगों को भुखण्ड के रूप में हस्तान्तरण कर रहे हैं एवं मौके पर कृषि भूमि का अकृषि उपयोग किया जा रहा है। उक्त भूमि पाली शहर के मास्टर प्लान के अन्दर स्थित होने से कृषि भूमि के संबंध में वरिष्ठ नगर नियोजक की किसी प्रकार की भी राय प्राप्त नहीं की है और भूमि मास्टर प्लान अनुसार ही संपरिवर्तन की जा सकती है। इस प्रकार पाली शहर के मास्टर प्लान में आरक्षित उपयोग के विपरित उपयोग में ली जाने से आम जन के हितों पर भी कुतुराघात होगा एवं नगर के विकास में बाधा उत्पन्न कर रहा है। अप्रार्थीगण द्वारा कृषि भूमि का मौके पर अकृषि प्रयोजन से उपयोग किये जाने से राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 177 का उल्लंघन हुआ है। पाली चक II के खसरा नम्बर 547/1749 रकबा 1.05 बीघा किस्म बाराणी अब्बल भूमि को सिवाय चक घोषित किया जावे।

2. प्रार्थना-पत्र को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी के नाम धारा 177 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत निर्धारित प्रपत्र अ नियम 60 के तहत नोटिस जारी किया गया तथा अप्रार्थीगण संख्या 1,4,5,6,7,8 व 9 बावजुद नोटिस तामिल के न्यायालय में उपस्थित नहीं हुये इस कारण न्यायालय द्वारा दिनांक 27.09.2011 को इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की गयी थी तथा अप्रार्थी 2 व 3 की ओर वकील हिम्मतसिंह राजपुरोहित ने वकालतनामा प्रस्तुत किया गया है।

3. प्रतिवादी संख्या 02 श्रीमती दरियाव कंवर ने जवाब प्रस्तुत कर निवेदन किया कि भूमिधारी तहसीलदार पाली ने जो आवेदन धारा 177 आर.टी. एक्ट 1955 के तहत पेश करना बताया लेकिन आवेदन में बेदखली का आधार धारा 177 (क)(ख) के कौनसे उपबंध का किस तरह से खातेदार से उल्लंघन किया है यह बात दर्शित नहीं की है। यह भी नहीं दर्शाया है कि किस खातेदार या अन्य अप्रार्थी ने कौनसी शर्त का उल्लंघन किया है व किस हैसियत से किया है तथा कब किया है। इन तथ्यों का उल्लेख नहीं होने से प्रार्थी का आवेदन अपूर्ण स्थिति में होने से चलने योग्य नहीं है। कृषि भूमि को अकृषि तौर पर कैसे काम में लिया है उसका भी कोई उल्लेख नहीं है और न ही जोत संबंधी कौनसी शर्त का उल्लेख किया है इसका ही हवाला है ऐसी सुरत में भूमिधारी तहसीलदार का आवेदन पोषणीय नहीं है। एक तरफ तो राज्य सरकार की मंशा कृषि भूमि को अकृषि काम में लेने पर उसको नियमित करने के लिए राज्य सरकार ने राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 में (ख) उपबंध जोड़ा है जिससे जो भी नगर पालिका की सीमा में जो कृषि भूमि आती है और उसको आवासीय या वाणिज्यिक जो भी उपयोग में ले लिया है उसको भूमिधारी तहसीलदार प्राधिकृत अधिकारी के यहां आवेदन कर उस भूमि को संबंधित स्थानीय निकाय में निहित कर संबंधित हक रखने वाले व्यक्ति के पक्ष में जिनके द्वारा पट्टा जारी किया जायेगा। ऐसी कानूनी प्रावधान है फिर भी भूमिधारी ने श्रीमान के समक्ष धारा 90(ख) के तहत आवेदन नहीं करके धारा 177 आर.टी.




सहायक कलेक्टर
पाली

एक्ट में आवेदन किया है जो सरासर अप्रार्थी को परेशान करने एवं राज्य सरकार की पट्टा के संबंध में नई नीति के विपरित आवेदन किया है जो आवेदन केवल लोकर नीति के विरुद्ध है बल्कि राज्य सरकार को भी जन धन की हानी पहुंचाने का कृत्य किया है जो आवेदन काबिल खारिज के है। जिस कारण प्रार्थी तहसीलदार, पाली को उक्त प्रार्थना पत्र को वाद में परिवर्तित किये जाने का आदेश दिया जाना कानूनन आवश्यक एवं न्यायासंगत है।

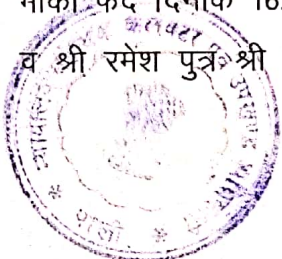
4. वादी द्वारा वाद के समर्थन में शहादत पेश की गई जिसमें तत्कालीन पटवारी श्री जब्बरसिंह के बयान कलमबद्ध किये गये तथा बयान में बताया कि ग्राम पाली चक II के खसरा नंबर 547/1749 रकबा 1.05 बीघा में अप्रार्थीगण खंगारराम पुत्र पोकरराम जाति मेघवाल निवासी सेसली हाल पाली, श्रीमति दरियावकंवर पत्नि श्री बद्रीलाल जाति सरगरा निवासी पैकज कोलोनी, पाली, श्री प्रकाश पुत्र मांगीलाल जाति हरीजन निवासी 139 बापू नगर विस्तार, पाली, अशोक कुमार पुत्र हस्तीमल जाति जैन निवासी पाली, श्रीमति लता पत्नि नरेन्द्रकुमार जाति जैन निवासी पाली, तखतसिंह पुत्र बद्रीसिंह जाति राजपूत निवासी पाली, सम्पतराज पुत्र सुरतराज जाति जैन निवासी जोधपुर, महावीरचंद्र पुत्र सुमेरमल जाति जैन निवासी जोधपुर एवं राजेन्द्र पुत्र नाथीया जाति सांसी निवासी पाली द्वारा खातेदारी भूमि में अकृषि उपयोग करने पर मेरे द्वारा खातेदार के विरुद्ध रिपोर्ट फर्द मौका सहित तहसीलदार साहब पाली को आगामी कार्यवाही हेतु प्रस्तुत की थी। मेरी रिपोर्ट के आधार पर श्रीमान् तहसीलदार साहब, पाली के द्वारा कुल 9 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 177 आर.टी.एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज करवाया गया है। जिसमें क्रम संख्या 1 से 9 खातेदार हैं।

5. बहस सुनी गई।

6. बहस के दौरान वकील अप्रार्थीगण संख्या 2 व 3 अनुपस्थित।

7. सरकारी पैराकार ने बहस के दौरान निवेदन किया कि सरहद पाली चक II खसरा नंबर 547/1749 रकबा 1.05 बीघा में वर्ष 2007 में मेट्रो सिटी के नाम से प्लान बना कर कॉलोनी विकसित कर दी। तत्कालीन पटवारी श्री जब्बरसिंह ने अपने बयान में भी बताया कि खातेदारी भूमि में अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन करवाये बिना आवासीय कोलोनी का प्लान बनाकर विभिन्न लोगो को भूखण्ड के रूप में हस्तांतरण करने एवं मौके पर कृषि भूमि का अकृषि कार्य होना बताया।

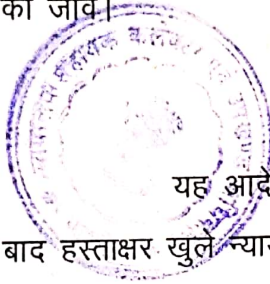
8. बहस सुनने एवं पत्रावली पर उपलब्ध कराये गये अभिलेख का अवलोकन करने के बाद पाया कि पटवारी श्री जब्बरसिंह ने अपने बयान में बताया कि खातेदारी भूमि में अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन करवाये बिना आवासीय कोलोनी का प्लान बनाकर विभिन्न लोगो को भूखण्ड के रूप में हस्तांतरण करने एवं मौके पर कृषि भूमि का अकृषि कार्य होता है तथा मौका फर्द दिनांक 16.12.07 में भी श्री मंशाराम पुत्र श्री केसाराम, श्री फारूख पुत्र श्री मांगू जी व श्री रमेश पुत्र श्री जयसिंह ने हस्ताक्षर किये तथा बताया कि उक्त कृषि भूमि पर अकृषि




सहायक कलेक्टर
पाली

कार्य कर रहे है। प्रतिवादीगण द्वारा यह सिद्ध नहीं कर पाये कि मौके पर कृषि भूमि पर क्या काम हो रहा है।

9. अतः वादी का वाद अंतर्गत धारा 177 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम, 1955 का स्वीकार किया जाकर सरहद पाली चक II पटवार मण्डल पाली चक II स्थित कृषि भूमि खसरा नम्बर 547/1749 रकबा 1.05 बीघा किस्म बारानी अब्बल भूमि से प्रतिवादीगण को बेदखल किया जाकर उक्त भूमि को राजकीय सिवाय चक भूमि घोषित किया जाता है। तहसीलदार, पाली तत्काल उक्त भूमि का कब्जा राज्य पक्ष में प्राप्त कर पालना रिपोर्ट इस न्यायालय को प्रस्तुत करें। इस आदेश की प्रति तहरीर के साथ तहसीलदार, पाली को माफिक आदेश पालना करने हेतु प्रेषित किया जावे। पत्रावली फैसल में शुमार होकर दाखिल दफ्तर की जावे।



यह आदेश आज दिनांक 31.10.2019 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

सहायक कलेक्टर

पाली

सहायक कलेक्टर
पाली